आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)

सोमवार 20.04.2026 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- टिहरी जिले में सूर्य देवभूमि चैलेंज का समापन। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा– ये आयोजन, सीमांत क्षेत्रों में रोजगार और आजीविका के अवसर बढ़ाने में मददगार साबित होगा।
- कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा– महिला आरक्षण का विरोध करने वालों को जनता सबक सिखाएगी।
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की और उत्तराखंड अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर। अंतरिक्ष विज्ञान और भू–स्थानिक तकनीक में सहयोग को बढ़ावा देना है उद्देश्य।
- हरिद्वार जिले में ग्राम पंचायत स्तर पर 'मिनी सचिवालय' व्यवस्था शुरू। अब ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान होगा।

सूर्य देवभूमि चैलेंज

टिहरी जिले के गढ़वाल विश्वविद्यालय, चौरास परिसर में भारतीय सेना और उत्तराखंड पर्यटन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सूर्य देवभूमि चैलेंज का आज समापन हो गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सेना, देश की सीमाओं की रक्षा के साथ समाज और युवाओं को प्रेरित करने वाले ऐसे आयोजनों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस प्रकार के आयोजन युवाओं के भीतर अनुशासन, साहस, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत बनाने का कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा ये आयोजन समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन में सहायक सिद्ध होने के साथ सीमांत क्षेत्रों में रोजगार और आजीविका के अवसर बढ़ाने में भी मददगार साबित होगा। इस अवसर पर गढ़वाल स्काउट के मेजर पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि सीमांत ग्रामीण क्षेत्रों में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने और पारम्परिक यात्रा मार्गो को पर्यटन से जोड़ने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि 113 किलोमीटर लंबी इस कठिन प्रतियोगिता में देशभर से लगभग 300 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

रेखा आर्या

महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस जैसे दलों ने महिला आरक्षण विधेयक का विरोध कर न केवल महिलाओं का अपमान किया है, बल्कि अपने राजनीतिक चरित्र को भी उजागर किया है। आज ऊधमसिंह नगर जिले के काशीपुर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह मुद्दा केवल राजनीति का नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान और अधिकारों का है। उन्होंने कहा कि आधी आबादी के अधिकारों का विरोध करने वालों को जनता आने वाले चुनावों में करारा जवाब देगी।

केदारनाथ धाम

रुद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ धाम के कपाट आगामी बुधवार को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले जाएंगे। यात्रा को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि पैदल मार्ग पर शौचालय, बिजली, पानी और सौर लाइट की सुचारू व्यवस्था की गई है। साथ ही केदारनाथ धाम में भी आवासीय, स्वास्थ्य आदि व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली गई हैं।

उधर, केदारनाथ के वरिष्ठ तीर्थ पुरोहित उमेश चन्द्र पोस्ती ने बताया कि आज सुबह से पुष्प सेवा समिति द्वारा मंदिर को फूलों से सजाने का काम शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि यात्रा को लेकर केदारनाथ में चहल–पहल शुरू हो गई है और अधिकांश तीर्थपुरोहित, भवन स्वामी तथा व्यापारी धाम पहुंच

चुके हैं। इस बीच, बाबा केदार की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली रात्रि प्रवास के लिए गौरीकुंड पहुंच गई है।

चारधाम यात्रा

उधर, चमोली जिले में स्थित बदरीनाथ धाम के कपाट आगामी 23 अप्रैल को श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए जिला व पुलिस प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने बताया कि बदरीनाथ यात्रा मार्ग को 2 जोन और 25 सेक्टरों में बांटते हुए सेक्टर प्रभारियों की नियुक्ति की गई है।

समझौता

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की ने उत्तराखंड अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य अंतरिक्ष विज्ञान और भू–स्थानिक अनुप्रयोगों के क्षेत्र में अकादमिक, वैज्ञानिक और अनुसंधान सहयोग को सुदृढ़ करना है। समझौते के तहत दोनों संस्थान वैज्ञानिक ज्ञान, संकाय और तकनीकी विशेषज्ञता के आदान–प्रदान के साथ–साथ शोधकर्ताओं तथा वैज्ञानिकों की क्षमता निर्माण को प्रोत्साहित करेंगे। अकादमिक व अनुसंधान सहयोग के तहत अंतरिक्ष अनुप्रयोग, भूस्थानिक तकनीक, जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में संयुक्त शोध और पायलट परियोजनाएं संचालित की जाएंगी। इसके अलावा दोनों संस्थान सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशालाएं और अल्पकालिक पाठ्यक्रम संयुक्त रूप से आयोजित करेंगे। यह साझेदारी उत्तराखंड राज्य में अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के साथ ही अनुसंधान को व्यावहारिक अनुप्रयोगों में परिवर्तित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

मिनी सचिवालय

हरिद्वार जिले में ग्राम पंचायत स्तर पर ही आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए एक अभिनव पहल शुरू की गई है। इसके तहत जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में मिनी सचिवालय स्थापित किए गए हैं, जिन्हें वर्चुअल माध्यम से जिला मुख्यालय से भी जोड़ा गया है। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र ने आज इस नई व्यवस्था का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि आज ग्राम स्तर पर जनसुनवाई को वर्चुअल माध्यम से जिला स्तर की जनसुनवाई से जोड़ा गया है। इस पहल से ग्रामीणों को जिला मुख्यालय तक आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी और समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण सुनिश्चित किया जा सकेगा।

जिले में 25 मिनी सचिवालय तैयार किए गए हैं। अब प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में ग्रामीण अपने–अपने गांव के मिनी सचिवालय से ही जुड़कर सीधे जिलाधिकारी के समक्ष अपनी समस्या रख सकेंगे।

स्वगणना अपील

कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने प्रदेशवासियों से 24 अप्रैल तक स्वगणना प्रक्रिया में शामिल होकर एक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य निभाने की अपील की है। श्री उनियाल ने जनगणना–2027 के अंतर्गत स्वगणना प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करते हुए आज अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि देश के समग्र विकास की आधारशिला है। प्रत्येक नागरिक द्वारा दी गई सटीक जानकारी ही भविष्य की योजनाओं, नीतियों और विकास कार्यों की दिशा तय करती है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि इस बार सरकार ने स्वगणना की सुविधा उपलब्ध कराई है, जिससे नागरिक अपने मोबाइल या कंप्यूटर से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे केवल केंद्र सरकार की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ही अपनी स्वगणना करें और अपने परिवार, मित्रों तथा आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें।